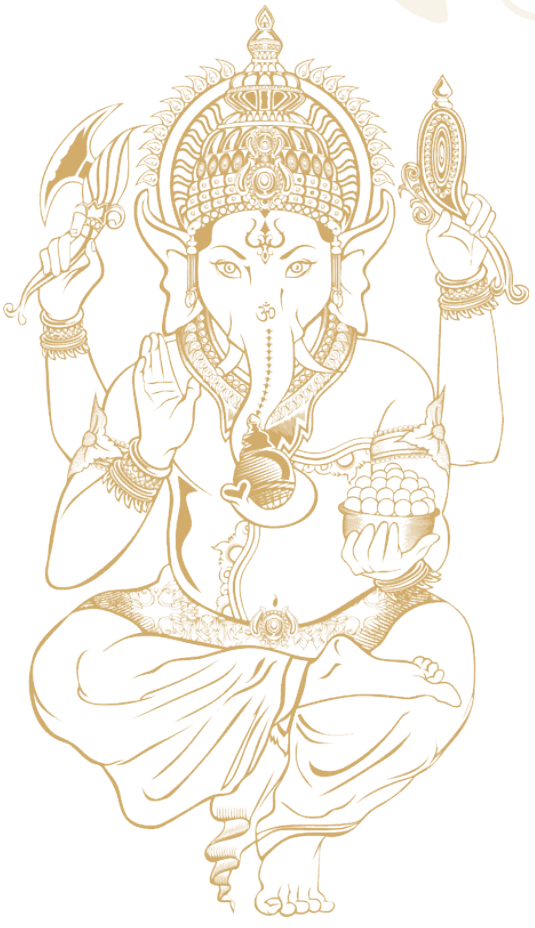

??????? ??????

04 Jul 2002

10:35 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121249305

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/07/2002**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:35:19 घंटे**
इष्ट	42:48:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:14:11 घंटे
वेलान्तर	-00:04:20 घंटे
साम्पातिक काल	17:04:20 घंटे
सूर्योदय	05:27:56 घंटे
सूर्यास्त	19:22:49 घंटे
दिनमान	13:54:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:39:17 मिथुन
लग्न के अंश	16:26:48 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	16:26:48	499:26:11	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	18:39:17	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मेष	10:32:12	12:04:03	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	00:21:43	00:38:42	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध			मिथु	01:13:25	01:43:13	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	स्वराशि
गुरु			मिथु	29:52:22	00:13:17	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	29:06:37	01:08:27	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि			वृष	27:48:08	00:07:28	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु			वृष	23:45:10	00:01:20	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:45:10	00:01:20	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:33:28	00:01:25	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:25:39	00:01:23	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:41:07	00:01:23	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			वृश्चि	23:18:04	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:15

लग्न-चलित

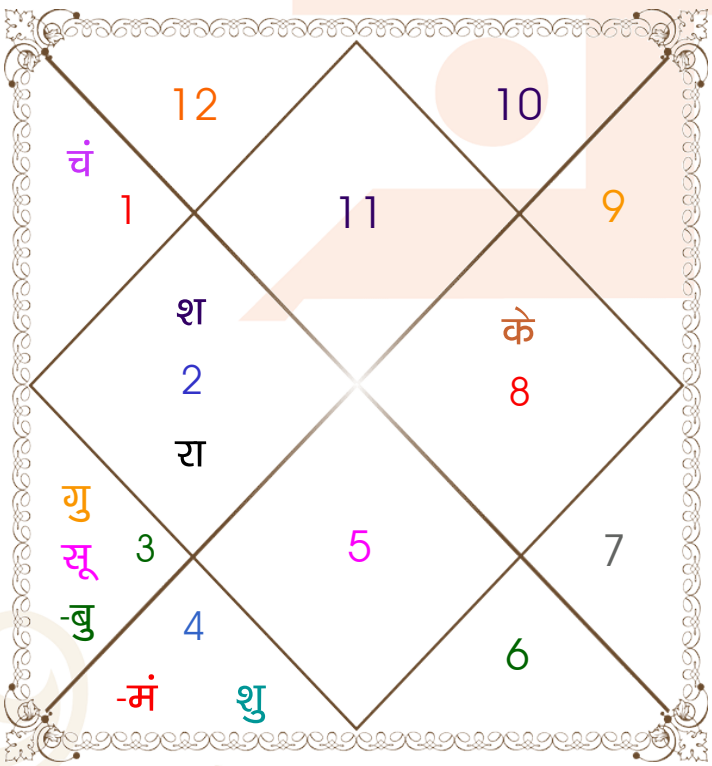

चन्द्र कुंडली

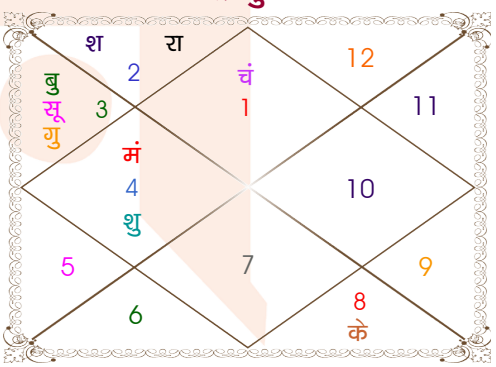

नवमांश कुंडली

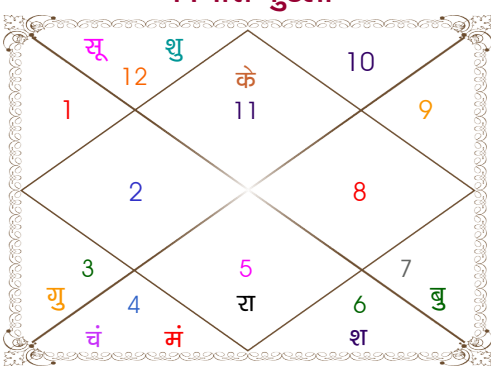

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/07/2002		23/12/2003		23/12/2023		22/12/2029		23/12/2039	
23/12/2003		23/12/2023		22/12/2029		23/12/2039		22/12/2046	
	00/00/0000	शुक्र	23/04/2007	सूर्य	10/04/2024	चंद्र	23/10/2030	मंगल	20/05/2040
	00/00/0000	सूर्य	22/04/2008	चंद्र	10/10/2024	मंगल	24/05/2031	राहु	07/06/2041
	00/00/0000	चंद्र	22/12/2009	मंगल	15/02/2025	राहु	22/11/2032	गुरु	14/05/2042
	00/00/0000	मंगल	21/02/2011	राहु	09/01/2026	गुरु	24/03/2034	शनि	23/06/2043
	00/00/0000	राहु	21/02/2014	गुरु	29/10/2026	शनि	23/10/2035	बुध	19/06/2044
	00/00/0000	गुरु	22/10/2016	शनि	11/10/2027	बुध	23/03/2037	केतु	15/11/2044
	04/07/2002	शनि	23/12/2019	बुध	16/08/2028	केतु	22/10/2037	शुक्र	16/01/2046
शनि	26/12/2002	बुध	23/10/2022	केतु	22/12/2028	शुक्र	23/06/2039	सूर्य	23/05/2046
बुध	23/12/2003	केतु	23/12/2023	शुक्र	22/12/2029	सूर्य	23/12/2039	चंद्र	22/12/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/12/2046		22/12/2064		22/12/2080		23/12/2099		23/12/2116	
22/12/2064		22/12/2080		23/12/2099		23/12/2116		00/00/0000	
राहु	04/09/2049	गुरु	09/02/2067	शनि	26/12/2083	बुध	21/05/2102	केतु	21/05/2117
गुरु	28/01/2052	शनि	22/08/2069	बुध	04/09/2086	केतु	19/05/2103	शुक्र	21/07/2118
शनि	04/12/2054	बुध	28/11/2071	केतु	14/10/2087	शुक्र	18/03/2106	सूर्य	26/11/2118
बुध	23/06/2057	केतु	03/11/2072	शुक्र	13/12/2090	सूर्य	23/01/2107	चंद्र	27/06/2119
केतु	11/07/2058	शुक्र	05/07/2075	सूर्य	25/11/2091	चंद्र	23/06/2108	मंगल	23/11/2119
शुक्र	11/07/2061	सूर्य	22/04/2076	चंद्र	26/06/2093	मंगल	21/06/2109	राहु	11/12/2120
सूर्य	05/06/2062	चंद्र	22/08/2077	मंगल	04/08/2094	राहु	08/01/2112	गुरु	17/11/2121
चंद्र	04/12/2063	मंगल	29/07/2078	राहु	10/06/2097	गुरु	15/04/2114	शनि	05/07/2122
मंगल	22/12/2064	राहु	22/12/2080	गुरु	23/12/2099	शनि	23/12/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न, कुंभ नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रस्तुतिकरण सुखद, सुलभ एवं स्वाभाविक रूप से आरामदायक जीवन काल का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्यतः आपकी आयु के 28 वें वर्ष में आप उच्चतम शिखर पर पहुंच कर अपनी शक्ति एवं स्वच्छंदता पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगी। यदि आप लापरवाही, आलसी एवं धीरे-धीरे चलने की प्रवृति रखें तो कभी-कभी धैर्यपूर्वक अपनी प्रस्तावित समस्या को शीघ्रतापूर्वक संपन्न कर सकेंगी। आप अपने हस्तगत कार्य के प्रति स्वयं प्रोत्साहित हो कर उसे संपन्न कर ली तो निश्चित रूप से धन संग्रह कर लेंगी।

आप ऐसी प्राणी हैं कि आपको बहुत मात्रा में विस्तार एवं विकसित होने में सफलता मिलेगी। यदि आप अपना जिद्दीपन एवं अड़ियल रूख के प्रति नरमी बरत सकी तो आप किसी भी कार्य को खेल-खेल में संपादित कर लेंगी एवं निष्कपट भाव से जन सामान्य के साथ दयालुता युक्त भावनाओं से उदारता बरतेंगी। अन्य व्यक्ति मात्र आपकी त्रुटियों को अप्रिय हाव-भाव से देखेंगे तथा बिना जाने ही आपकी दुर्बलता के विरुद्ध हो जाएंगे। यदि आप मर्यादित ढंग से बात चीत करने लगी तो आप अत्यधिक सुविख्यात हो जाएंगी।

आप उच्च कोटि की धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन दर्शन का अध्ययन कर जीवन के वास्तविक अर्थ से अवगत हो जाएंगी। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल कार्य व्यवसाय ज्योतिषीय कार्य, गणितीय कार्य, खगोल विद्या, सामान्य ज्ञान, गुप्त (विद्या) विज्ञान, एवं हवाई यात्रा संबंधित कार्य उत्तम हैं।

आप एक सुखद भवन के साथ-साथ समझदार एवं व्यवस्थित पति तथा प्रिय संतानों से युक्त होंगी। आप वैवाहिक जीवन का निर्वाह करेंगी। आप सदैव अपने घर परिवार को अपने अधिकृत रखेंगी।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी आयु लंबी है तथा आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु ऐसा आभास हो रहा है कि आप कुछ रोगादि के कुप्रभाव से अधोगति को प्राप्त हो सकती हैं। यथा रक्तचाप, हृदय संबंधी रोग, हृदय स्पंदन आदि रोग कुछ वर्षो के बाद हो सकते है। अतः उत्तम तो यह है कि सच्चे अर्थो में सावधानी बरते।

आप मित्रों के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अपने भवन की प्राचीनता को नवीनीकरण करने हेतु संग्रह करेंगी। आप अत्यंत ही सामाजिक प्राणी हैं तथा समाज को अकेले ही आगे लेकर चलेंगी। आप एक विख्यात एवं आतिथ्य भावनाओं से युक्त प्राणी है।

आप निम्नांकित निर्देशों का पालन एवं अंगीकृत कर जीवन में अत्यधिक उन्नति प्राप्त कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं प्रभावक अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक हैं तथा अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके हित प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए नीले रंग को छोड़ कर अन्य रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग अति अनुकूल हैं।